कविता

टूटा पहिया

धर्मवीर भारती

सूचना : "टूटा पहिया " कविता की ये पंक्तियाँ पढें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें

मैं
रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ
लेकिन मुझे फेंको मत!
क्या जाने कब
इस दुरूह चक्रव्यूह में
अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देता हुआ
कोई दुस्साहसी अभिमन्यू आकर घिर जाए !

1. टूटा पहिया कविता किसकी रचना है ?

   (प्रभात, नरेश सक्सेना, धर्मवीर भारती, विनोदकुमार शुक्ल)

   उत्तर – धर्मवीर भारती

2. अभिमन्यू ने किसकी चुनौती दी है?

   (अक्षौहिणी सेना की, चक्रव्यूह की , महारथीयों की)

   उत्तर – अक्षौहिणी सेना की।

3. ' दुस्साहसी ' विशेषण किसको दिया है?

   (कौरवों को, महारथियों को, अभिमन्यु को)

   उत्तर – अभिमन्यु को

4. ' मुझे ' में निहित प्रत्यय कौन–सा है?

   (में , को , से , के)

   उत्तर – को

5. चक्रव्यूह की विशेषता क्या है?

   उत्तर – चक्रव्यूह दुरूह है।

6. कोई दुस्साहसी अभिमन्यू आकर घिर जाए – इस पंक्ति से विशेषण शब्द चुनकर लिखें ।

उत्तर – दुस्साहसी

7. टूटे पहिए को क्यों फेंकना नहीं चाहिए?

हम किसी वस्तु को भोगने के बाद बेकार समझकर फेंक देते हैं। फिर कभी उसका उपयोग करने का मौका आ जाता है। इसलिए यहाँ कहा है कि टूटे पहिए को फेंकना नहीं चाहिए।

8. कवि और कविता का परिचय देते हुए पक्तियों का आशय लिखें।

श्री धर्मवीर भारती आधुनिक हिन्दी साहित्य के प्रमुख लेखक, कवि, नाटककार और सामाजिक विचारक थे । उनकी एक प्रसिद्ध कविता है टूटा पहिया। इसमें कवि ने आधुनिक युग के सामाजिक दशा का प्रतीकात्मक रूप से विचार किया है ।

कवि कहते हैं कि मैं रथ का टूटा पहिया हूँ। लेकिन मुझे फेंको मत। क्यों कि शोषण और पीड़ा से संतप्त कोई दुस्साहसी अभिमन्यु मुझे अपने हाथ में लेगा।

महाभारत युद्ध में अधर्म और अत्याचार का विरोध करते हुए दुस्साहसी अभिमन्यु ने टूटे पहिए से कौरवों की अक्षौहिणी सेनाओं का सामना किया था। उसी तरह अधर्म का विरोध करने केलिए साधारण जनता आगे आएगी, इस आशय का संकेत कवि ने इन पंक्तियों में दिया है।

सूचना : 'टूटा पहिया' - कविता की ये पंक्तियाँ पढें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी
बडे–बडे महारथी
अकेली निहत्थी आवाज़ को
अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहें
तब मैं
रथ का टूटा हुआ पहिया
उसके हाथों में
ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ ।

1. टूटा पहिया किस विधा की रचना है?

(टिप्पणी , कहानी , कविता)

उत्तर – कविता

2. वर्तमान परिवेश में महारथी किसका प्रतीक हो सकता है ?

उत्तर – अत्याचारी शोषकों का

3. अकेली निहत्थी आवाज़ किसकी है?

उत्तर – अभिमन्यु की

4. यह आशयवाली पंक्तियाँ चुनकर लिखें–' बड़े–बड़े महारथी जानते हैं कि अपना पक्ष असत्य है।'

उत्तर – अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी
बड़े–बड़े महारथी

5. कवि और कविता का परिचय देते हुए पक्तियों का आशय लिखें।

श्री धर्मवीर भारती आधुनिक हिन्दी साहित्य के प्रमुख लेखक, कवि, नाटककार और सामाजिक विचारक थे । उनकी एक प्रसिद्ध कविता है टूटा पहिया। इसमें कवि ने आधुनिक युग के सामाजिक दशा का प्रतीकात्मक रूप से विचार किया है ।

अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी महाभारत युद्ध में बड़े–बड़े महारथी मिलकर निरायुध अभिमन्यु पर आक्रमण किया था। किसी ने अभिमन्यु की असहाय आवाज़ पर ध्यान नहीं दिया। तब टूटा पहिया आभिमन्यु के हाथ का हथियार बना था।

कवि ने परोक्ष रूप में इस बात की ओर संकेत किया है कि आज संसार में उपेक्षित टूटे मानव मूल्यों को वापस लाने की ज़रूरत है।

सूचना : टूटा पहिया - कविता की ये पंक्तियाँ पढें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

इतिहासों की सामूहिक गति
सहसा झूठी पड जाने पर
क्या जाने
सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले।

1. अभिमन्यु किसका प्रतीक है ?

(महाशक्ति का , समस्याओं का , अधर्म के विरोधी का ,)

उत्तर – अधर्म के विरोधी का।

2. सहसा सामूहिक गति झूठी पड़ जाने पर सच्चाई किसका आश्रय लेता है?

(महारथियों का , अक्षौहणी सेना का , टूटे पहिए का)

उत्तर – टूटे पहिए का।

3. कवि और कविता का परिचय देते हुए पक्तियों का आशय लिखें।

श्री धर्मवीर भारती आधुनिक हिन्दी साहित्य के प्रमुख लेखक, कवि, नाटककार और सामाजिक विचारक थे । उनकी एक प्रसिद्ध कविता है टूटा पहिया। इसमें कवि ने आधुनिक युग के सामाजिक दशा का प्रतीकात्मक रूप से विचार किया है ।

कवि कहते हैं कि समाज के इतिहास की गति सत्य और धर्म के पथ को छोड़कर चले तो सच्चाई को टूटे हुए पहियों का आश्रय लेना पड़ता है। अर्थात पतन के गर्भ में जानेवाली दुनिया को मानव मूल्यों का आश्रय लेना ही पड़ेगा।

कवि के कहने का तात्पर्य यह है कि आज के जो उपेक्षित मानव मूल्य हैं, हो सकता है कल उनकी ज़रूरत हो।